

म्हारा भर दे रे भण्डार खाटू वाला श्याम धणी भजन लिरिक्स



म्हारा भर दे रे भण्डार,
खाटू वाला श्याम धणी।

दोहा – बाँध के पगड़ी ले हाथ निशान,
चले दीवाने खाटू धाम,
हार के जो भी आया खाटू नगरी,
बनते बिगड़े काम।

दर पे तुम्हारे आई हूँ,
खाली झोली लाइ हूँ,
म्हारा भर दे रे भण्डार,
खाटू वाला श्याम धणी,
श्याम धणी रे म्हारा श्याम धणी,
श्याम धणी रे म्हारा श्याम धणी,
म्हारा भर दे रे भण्डार,
खाटू वाला श्याम धणी।

जब से लियो है थारो नाम,
पल में बनता बिगड़ा काम,
जपूँ नाम सुबह और शाम ,
खाटू वाला श्याम धणी,
म्हारा भर दे रे भण्डार,
खाटू वाला श्याम धणी।

मोरछड़ी का जब झाड़ा लगा,
संकट सारा दूर भगा,
तेरी महिमा अपरम्पार,
खाटू वाला श्याम धणी,
म्हारा भर दे रे भण्डार,
खाटू वाला श्याम धणी।

प्रेमी थारो बन बैटो,
प्यार तुम्ही से कर बैटो,
‘भानु’ पे कियो उपकार,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आप अपनी वाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



म्हारा भर दे रे भंडार,
खाटू वाला श्याम धणी।bd।

दर पे तुम्हारे आई हूँ,
खाली झोली लाइ हूँ,
म्हारा भर दें रे भण्डार,
खाटू वाला श्याम धणी,
श्याम धणी रे म्हारा श्याम धणी,
श्याम धणी रे म्हारा श्याम धणी,
म्हारा भर दे रे भंडार,
खाटू वाला श्याम धणी।bd।

Singer - Mamta Malik
